# लेखिका शिवानी का लेखन है सामाजिक दस्तावेज

जासं● नैनीताल: प्रसिद्ध हिंदी लेखिका शिवानी की जयंती पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के हरमिटेज भवन के बुरांश सभागार में 'शिवानी का कथा साहित्यः प्रकृति और संवेदनशीलता' विषयक संगोष्ठी हुई। उद्घाटन सत्र में कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि कथाकार शिवानी ने जिस तरह अपने पात्रों के माध्यम से पहाड़ी जीवन, संस्कृति और पर्यावरण को प्रस्तुत किया है, वह हिंदी साहित्य में अनूठा है। उनका लेखन केवल कहानियां नहीं, एक सामाजिक दस्तावेज है। संगोष्ठी को वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. दीवा भट्ट, प्रो. देव सिंह पोखरिया, साहित्यकार डा. रूपा सिंह,कथाकार रजनी गुप्त, पूर्व कुलपति प्रो. जगत सिंह बिष्ट , प्रो. निर्मला ढैला बोरा, प्रो. चन्द्रकला रावत, डा. दिनेश कर्नाटक, डा. अनिल कार्की ने भी संबोधित किया। संचालन मोहन सिंह रावत ने किया।